श्री शत्रुंजय - मुक्ति सम्यग्ज्ञान अभ्यासक्रम

द्वितीय वर्ष - अभ्यास - ८

जनवरी २०२५
गुणांक - १००

प्रश्न - पत्र

सूचना : १. नाम और एनरोलमेंट नंबर बिना का पेपर रद्द किया जायेगा । २. लाल स्याही के पेन का उपयोग न करें । ३. समझ में न आये ऐसे अक्षरों वाले जवाब पत्र जांचे नहीं जायेंगे । ४. जवाब पत्र में ही योग्य खाने में जवाब लिखना है, साथ में दूसरा पेपर जोडना नहीं है, जोडने पर तीन मार्क्स काट लिये जायेंगे । ५. जवाब पत्र हर महिने की ता. २५ तक भेजना जरुरी है, आगे-पीछे आए पेपर जांचे नही जायेंगे । ६. सभी जवाब अभ्यासक्रम के आधार पर ही लिखना है । ७. जिस महिने का प्रश्न पत्र है, उसके बाद के महिने की २५ ता. को आपके मार्क्स तथा सही उत्तर इन्टरनेट पर दे दिये जायेंगें, उसके बाद आए हुये उत्तर पत्र स्वीकृत नहीं होंगे तथा फोन पर जवाब नहीं दिया जायेगा । ८. उत्तर पत्र में अभ्यासक्रम का नंबर लिखना जरुरी है ।

प्रश्न नं. १ रिक्त स्थान की पूर्ति करो - २०

१. ..... आवश्यक का मुख्य हेतु विश्व मैत्री और शुभभावना है ।
२. अनंतानुबंधीत कषाय.....को जीवन में प्रगट होने नहीं देता ।
३. अजितनाथ भगवान को वंदन के लिये आई हुई देवीयां..... पूर्ण हैं ।
४. मृत्यु के पश्चात दूसरे स्थान में जन्म लेने के लिये आत्मा को ..... की श्रेणीयों पर चलना पडता है ।
५. अचलभ्राता अनेक देशों मे.....सभाओ में आमंत्रण मिलने पर जाते थे ।
६. बाहू स्वामी पश्चिम महाविदेह की ..... विजय में विचर रहे हैं ।
७. दूसरों की अच्छी बुरी बात हो उसे खींचते रहना छोडना ही नहीं..... अतिचार है ।
८. अस्थियाँ ही न होने के कारण एकेन्द्रिय..... होते हैं ।
९. नवरात्रि में गरबे करना करवाना वगैरह..... आचरित होते हैं ।
१०. साधक अपने जीवन में से भूलों को दोषों को निकाल डालने के लिये ..... की साथ पुरुषार्थ करता है ।
११. सर्वांग सुंदर, प्रमाण मुक्त अवयववाला, लक्षणयुक्त शरीर..... नामकर्म से मिलता है ।
१२. लक्ष्मी देवी का निवास शिखरी पर ..... में है ।
१३. पसंत सव्वपाव दोसमेसहं नमामि..... जिणं ।
१४. ..... के उदय से जीव प्रभावशाली और तेजस्वी होता है ।
१५. अपनी मर्यादा से बाहर निकल जाते हैं वह..... कहलाता है ।
१६. मैं विवाह, मृत्यु एवं गोदभराई आदि के ..... में भाग नहीं लूंगा ।
१७. जिस संघयण में दो अस्थियाँ कीलरुप अस्थि से जुडी हो उसे..... कहते हैं ।
१८. कषाय आम्ल और मधुर ये ..... हैं ।
१९. चक्रवर्ती, बलदेव, वासुदेव आदि की कोई व्यवस्था..... क्षेत्रों में नही होती ।
२०. सामान्य केवलीओं ने चन्द्ररुप ऐसे श्री..... को मै प्रणाम करता हूँ ।

प्रश्न नं. २ एक शब्द में जवाब लिखो - १५

१. शरीर की ममता का त्याग कर आत्मस्वरुप मे रमणता करने की क्रिया कौनसी है ?
२. देवताओं की सुंदरीओं ने नेत्र के प्रांतभाग में क्या लगाया है ?
३. किस कर्म के उदय से कौवे का श्याम वर्ण प्राप्त होता है ?
४. जंबुद्वीप के उत्तर के किस क्षेत्र में लघुहृद आया हुआ है ?
५. भगवान की पर्षदा नें नवमे गणधर बनने का मान किसे मिला ?
६. परम करुणा सागर तीर्थंकर प्रभुने जीव को पापों में से बचाने कें लिये कौनसा मार्ग बताया है ?
७. यथाख्यात चारित्र का घात कौन करता है ?
८. किसी भी गति की तरफ जाते समय मोड मुडने के स्थान पर सहायता कर दुसरी श्रेणी पर चढाने वाला कर्म कौनसा ?
९. किस गुण के कारण हम अपने अधिकरण दूसरों को देते हैं ?
१०. कई वर्षो तक ज्ञान प्राप्ति के लिये कौनसी पद्धती चालू रही ?
११. पूर्व महाविदेह के दक्षिण में कौनसे तीर्थंकर विचर रहे हैं ?
१२. प्रतिक्रमण का प्रवेशद्वार क्या है ?
१३. मस्तक ग्रीवा हाथ और पैर सुलक्षण हो परंतु हृदय उदर लक्षणहीन हो ऐसी शरीराकृति क्या कहलाती है ?
१४. आत्महत्या का विचार आने पर किसका सत्संग करेगें ?
१५. अचलभ्राता ब्राह्मण को किसके अस्तित्व के बारे में शंका थी ?

प्रश्न नं. ३ नीचे दिये गये शब्दों के अर्थ लिखो - १०

१. सद्दमिसअे २) गतः ३) सीअं ४) खुज्जाइ ५) महद्दह ६) पत्तलेह ७) संनिविट्ठ ८) तित्त ९) गार १०) उससण ११) वक्के १२. ततं १३) निडालअेहिं १४) पसंत १५) अप १६) निग्गोह १७) पाणी १८) वशाद १९) कमा २०) विब्भम

प्रश्न नं. ४ जोडियाँ लगाओ (सिर्फ 'B' के नंबर लिखो) - १०

A	B	A	B
१) शंख	१) स्वर	६) कस्तुरी	६) नाराच
२) प्रत्याख्याना वरणीय	२) अतिरेक	७) उपभोग	७) सर्वविरती
३) मर्कट बंध	३) चंद्र	८) सुलस	८) सुरभि
४) षडज	४) पद्म	९) तेजस्विता	९) ताल
५) महाहिमालय	५) पराघात	१०) तंति	१०) चैतन्य

प्रश्न नं. ५ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संख्या में लिखो - १०

१. बुद्धि देवी का स्थान है उस सरोवर की लंबाई कितने योजन है ?
२. प्रतिक्रमण के आवश्यक कितने ?
३. वर्ण चतुष्क के कुल भेद कितने ?
४. अचलभ्राता उम्र के कितनावे वर्षमें सर्वज्ञ बने ?
५. वैताढ्य पर्वत पर सपाट भूमिवाली मेखला की चौडाई कितनी ?
६. चक्रवर्ती को जीतने योग्य क्षेत्र जंबुद्वीप में कितने हैं ?
७. देव और नारको को कितने संघयण होते हैं ?
८. इशानेन्द्र लोकपाल के आभियोगिक देवो के रहने के स्थान कितनी विजय के वैताढ्य पर हैं ?
९. अनर्थ दंड का कितने प्रकार से त्याग करना चाहिये ?
१०. प्रतिक्रमण कितने भेद वाला है ?

प्रश्न नं. ६ नीचे के वाक्य सही (✓) हैं या गलत (×) बताओ - १०

१. माहणसिंह दिल्ही के जाफरशाह बादशाह के मंत्री थे ।
२. अंग विक्षेप से नृत्य करती देवांगनाये अजीतनाथ भगवान के चरणों में वंदना करती हैं ।
३. वीर प्रभु के समय में समस्त ज्ञान की प्राप्ति प्रभु के मुखारविन्द से होती थी ।
४. विकार सहित वचन बोलना ये कंदर्प अतिचार है ।
५. हिंगडोक को पीत वर्ण नाम कर्म के उदय से पीला रंग प्राप्त होता है ।
६. माल्यवंत नाम का ह्रद उतर कुरु क्षेत्र में आया हुआ है ।
७. अचलभ्राता की जन्मभूमि कोसला नगरी थी ।
८. शासन स्थापना के पश्चात सर्व प्रथम रात्रि प्रतिक्रमण श्री संघ ने किया ।
९. गति द्विक में गति, आनुपूर्वी और आयुष्य लेना है ।
१०. व्यंतर जाति के देव आभियोगिक देव हैं ।

प्रश्न नं. ७ नीचे के वाक्य किस पृष्ठ पर है वह पृष्ठ नंबर लिखो - १०

१. यह सब विचार करके पुण्य व पाप के अस्तित्व के बारे में शंका करना नहीं ।
२. स्वलाभ के प्रयोगजन वाली प्रवृति उससे बंधाते कर्म एवं उससे भोगने पडते फल वो अर्थ दंड है ।
३. जिस नाम कर्म के उदयं से शरीर मे विविध प्रकार की सुगंध प्राप्त होती वह सुरभि नाम कर्म है ।
४. जस्स ते सुविक्कमा कमा ।
५. पाँच द्रह सीतोदा से एवं पांच द्रह सीता नदी से, भेदकर दो दो हिस्सों में बंट गये हैं ।
६. विरोधी भी दब जाते हैं परंतु स्वयं किसी से क्षोभ नहीं पाते ।
७. दुर्गति का भय दूर होता है आत्मा सद्गति की तरफ प्रयाण करता है ।
८. विकलेन्द्रिय को छेवट्ठु (सेवार्त) संघयण ही होता है ।
९. ऐसे जीवों को बचाते उबारने हेतु प्रभु ने सुंदर मार्ग बताया है ।
१०. त्रिलोकनाथ का शासन कहता है कि बसना तो "स्व" में ही है ।

प्रश्न नं. ८ अपनी भाषा में समझाओ - १५

१. प्रतिक्रमण की क्रिया की ऑपरेशन के साथ तुलना । २) संस्था किसे कहते हैं ? सम चतुरस्त्र संस्थान समझाओ ।
३. अनर्थ दंड का पाँचवा अतिचार समझाओ ।
४. देवांगनायें किसके चरण में वंदन करने आयी और उनके आभूषणों के प्रकार कैसे कैसे थे ?
५. अचलभ्राता गणधर का गृहस्थ जीवन ।

उत्तर पत्र नीचे लिखे पते पर भेजिए :
शत्रुंजय अेकेडमी श्री पद्मप्रभस्वामी जैन मंदिर, स्टेशन रोड, चालिसगाँव - ४२४१०१ जिल्हा : जलगांव,
मो. ९०२८२४२४८४. सही परिणाम और सही जवाब के लिये वेब साईट www.shatrunjayacademy.com